एक नजर में

हनुमान डोल मंदिर परिसर में 21 पौधे लगाए गए

बैतूल। हनुमान डोल स्थित प्रसिद्ध चमत्कारी हनुमान मंदिर परिसर में मंदिर समिति द्वारा 21 पौधों का रोपण किया गया। पौधों की सुरक्षा के लिए लोहे की जाली लगाई गई है। जिन पौधों का रोपण किया गया उसमें चीकू, जाम, अनार, जामुन, आंवला, नीम आदि प्रजाति के पौधे शामिल हैं। मंदिर के पंडित विजेंद्र द्विवेदी के मंत्रोपचार के साथ हुआ पौधारोपण किया गया। इस मौके पर मंदिर समिति के पदाधिकारी धर्मेंद्र गोठी, अनिल दीक्षित, शैलेश गुबरेले के अलावा मनोज गौतम, पंडित विजेंद्र द्विवेदी, गोलू यादव,हरीश सोनकपुरिया, भीम यादव, लकी मिश्रा, शंकर चवरिया, मकडू, ललित (भयू) यादव एवं पंडरी बारस्कर भी उपस्थित थे।

चित्रकला के जरिए दी डिजिटल सुरक्षा की सीख

बैतूल। साइबर सुरक्षा के प्रति बच्चों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित सेफ क्लिक-2.0 अभियान के समापन समारोह में श्री विनायकम स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मकता, जागरूकता और डिजिटल सुरक्षा के प्रति समझ का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों की प्रस्तुति ने कार्यक्रम में मौजूद पुलिस अधिकारियों और अतिथियों का ध्यान आकर्षित किया।

हत्याकांड के दोषियों को आजीवन कारावास

बैतूल। महदगांव हत्याकांड में विशेष न्यायालय (एससी/एसटी एक्ट) ने चार साल बाद फैसला सुनाते हुए तीन आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश रईस खान ने चिकू उर्फ प्रियेश चौबे, माया चौबे और रितेश सोनारे को हत्या, हत्या के प्रयास और घर में घुसकर हमला करने का दोषी करार दिया। अदालत ने प्रत्येक आरोपी पर दो-दो हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। अदालत ने तीनों आरोपियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 302/34 के तहत आजीवन कारावास, धारा 307/34 के तहत सात वर्ष के कठोर कारावास तथा धारा 450 के तहत पांच वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। अभियोजन के अनुसार, घटना 14-15 मार्च 2022 की रात की है। फरियादी मीनाक्षी उइके का परिवार रात में भोजन के बाद सो गया था। इसी दौरान आरोपी चिकू उर्फ प्रियेश चौबे ने अपने साथी राहुल के माध्यम से मीनाक्षी को फोन कराया और एक युवती का मोबाइल नंबर मांगा। मीनाक्षी के इनकार करने पर आरोपी ने फोन पर गाली-गलौज करते हुए धमकी दी। रात करीब एक बजे चिकू अपने साथियों के साथ मीनाक्षी के घर पहुंचा। आरोपियों ने पहले खिड़की पर पत्थर मारकर परिवार को जगाया और फिर घर में घुसकर हमला कर दिया। माया चौबे ने लोकेश का कॉलर पकड़ लिया, जबकि रितेश सोनारे ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपियों ने चाकुओं से हमला कर दिया। हमले में छोटू उर्फ सरयाम के गले पर चाकू लगने से उसकी मौत हो गई, जबकि लोकेश और सुनीता गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद कोतवाली थाना पुलिस ने हत्या, हत्या के प्रयास और अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना पूरी की तथा न्यायालय में चालान पेश किया। सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक शशिकांत नागले ने अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी की। गवाहों, वैज्ञानिक साक्ष्यों और अन्य प्रमाणों के आधार पर अदालत ने तीनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

907 आवेदन लंबित, सत्यापन और ई-केवाईसी को बताया वजह

नवभारत न्यूज

बैतूल, 8 जुलाई. जिले में संबल योजना प्रशासनिक सुस्ती और सत्यापन प्रक्रिया की खामियों का शिकार होती नजर आ रही है। ऑनलाइन आवेदन करने के बावजूद 900 से अधिक प्रकरण महीनों से लंबित हैं।

हितग्राहियों को समय पर नहीं मिल रहा लाभ

पूर्व मुख्यमंत्री ने शुरू की थी संबल योजना

नतीजा यह है कि जरूरतमंद श्रमिक परिवार योजना के तहत मिलने वाली प्रसूति सहायता, दुर्घटना एवं मृत्यु पर अनुग्रह राशि, शिक्षा प्रोत्साहन और अन्य सुविधाओं से वंचित हैं। दरअसल संबल योजना का उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है, लेकिन आवेदन लंबित रहने से इसका सबसे अधिक नुकसान उन्हीं परिवारों को उठाना पड़ रहा है, जिन्हें तत्काल सहायता की आवश्यकता होती है। प्रसूति सहायता, दुर्घटना या सामान्य मृत्यु पर मिलने वाली आर्थिक मदद, बच्चों की शिक्षा के लिए मिलने वाली छात्रवृत्ति तथा अन्य योजनाओं का लाभ आवेदन स्वीकृत होने तक नहीं मिल पाता। डिजिटल संबल कार्ड भी आवेदन स्वीकृत होने के बाद ही जारी होता है, जिससे अन्य योजनाओं में भी बाधा आती है। हितग्राहियों का कहना है कि प्रशासन को चाहिए कि लंबित आवेदनों के त्वरित निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए, सत्यापन में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार कर्मचारियों की जवाबदेही तय हो और श्रमिकों को समय पर उनका अधिकार मिल सके।

संबल योजना व कितनी राशि देती है सरकार : जानकार बताते है कि संबल योजना के तहत मजदूर की दुर्घटना में मौत होने पर 4 लाख रुपये, सामान्य मौत पर 2 लाख, स्थाई अपंगता पर 2 लाख, आंशिक अपंगता पर एक लाख और अंतिम संस्कार के लिए 5 हजार रुपये की अनुग्रह राशि मिलती है। इसके साथ ही गर्भवती के दौरान निर्धारित अवधि में अंतिम तिमाही तक जांच कराने और सरकारी अस्पताल में प्रसव होने पर सहायता राशि मिलती है। रोजगार के लिए पंजीकृत असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को खुद के व्यवसाय के लिए बैंक से ऋण भी दिया जाता है। मजदूर और उसके परिवार के सदस्य गंभीर बीमारियों में 2 लाख रूपये तक का निःशुल्क इलाज करा सकते हैं। बता दे कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सामाजिक सुरक्षा देने के उद्देश्य से पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संबल योजना शुरू की थी। इस योजना में जन्म से लेकर मृत्यु तक और रोजगार से लेकर विवाह तक श्रमिकों को आर्थिक सहायता दी जाती है। जिसमें पात्रता रखने वाले परिजनों को निर्धारित सहायता राशि प्रदान की जाती है। इस योजना का लाभ उन्हीं लोगों को मिलता है जिनका संबल में पंजीयन और सत्यापन किया गया हो।

पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन फिर भी सत्यापन में देरी

संबल योजना में पंजीयन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी है। इसके बाद भी सत्यापन की रफ्तार धीमी है। श्रम विभाग लंबित आवेदनों के पीछे आधार ई-केवाईसी और भौतिक सत्यापन में आने वाली दिक्कतों को प्रमुख कारण बता रहा है। विभाग का कहना है कि कई हितग्राही मजदूरी के लिए जिले से बाहर चले जाते हैं और वहीं से आवेदन कर देते हैं। जब पंचायत सचिव या नगरीय निकाय के कर्मचारी भौतिक सत्यापन के लिए पहुंचते हैं तो संबंधित व्यक्ति घर पर नहीं मिलता, जिससे आवेदन लंबित रह जाते हैं। हालांकि हितग्राहियों का पक्ष इससे अलग है। उनका कहना है कि सत्यापन की जिम्मेदारी जिन पंचायत और नगरीय निकाय कर्मचारियों पर है, वे समय पर सत्यापन करने नहीं पहुंचते। कई मामलों में आवेदन करने के बाद भी लंबे समय तक कोई अधिकारी या कर्मचारी संपर्क नहीं करता। ऐसे में बिना किसी गलती के हितग्राहियों के आवेदन अधर में लटक जाते हैं और लाभ नहीं मिल पाता।

जनपद स्तर के आवेदन सबसे ज्यादा पेंडेंसी

जिले में नगरीय निकायों की अपेक्षा जनपद स्तर पर आवेदनों की पेंडेंसी अधिक है। जिले के जनपदों में करीब 823 आवेदन लंबित है, वहीं निकायों की स्थिति काफी बेहतर है। निकायों में योजनों के मात्र 84 आवेदन लंबित है। जनपद स्तर पर सबसे अधिक पेंडेंसी बैतूल और भैंसदेही जनपद में दर्ज की गई है। बैतूल जनपद में 145 तथा भैंसदेही में 121 आवेदन लंबित हैं। इसके अलावा चिचोली में 97, आमला में 89, भीमपुर में 82, प्रभातपट्टन में 79. शाहपुर में 75, घोड़ाडोंगरी में 71. मुलताई में 41 और आठनेर में 23 आवेदन स्वीकृति का इंतजार कर रहे हैं। नगरीय निकायों में भी आवेदन लंबित हैं। बैतूल नगरपालिका में 19, शाहपुर में 22, घोड़ाडोंगरी में 15. मुलताई में 11. बैतूल बाजार में 6, सारनी और भैंसदेही में 5-5 तथा चिचोली में एक आवेदन लंबित बताया गया है।

कुंडों का होगा जीर्णोद्धार, मंदिर मार्ग पर बनेगा आकर्षक गेट

मुलताई। बुधवार को कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवाने ने पवित्र नगरी मुलताई पहुंचकर मां ताप्ती मंदिर में पूजा-अर्चना कर दर्शन किए एवं आरती उतारी।इस दौरान विधायक चंद्रशेखर देशमुख, भाजपा मंडल अध्यक्ष गणेश साहू, एसडीएम राजीव कहार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीरेंद्र कुमार तिवारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिसके बाद कलेक्टर श्री सोनवणे ने ताप्ती मंदिर परिसर, उद्गम स्थल तथा ताप्ती तट का निरीक्षण कर विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश

दिए कि मां ताप्ती से जुड़े सभी कुंडों का शीघ्र जीर्णोद्धार कराया जाए, जिससे प्राचीन स्थलों की संरक्षित किया जा सके एवं धार्मिक और ऐतिहासिक गरिमा बनी रही। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि ताप्ती तीर्थ क्षेत्र के समग्र विकास के लिए विस्तृत परियोजना तैयार की गई है।इस दौरान कलेक्टर ने नगर में आने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था विकसित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द उपयुक्त स्थान का चयन कर आवश्यक कार्यवाही शुरू करने के निर्देश दिए,जिससे ताप्ती दर्शन तथा मेलों के दौरान श्रद्धालुओं को असुविधा का सामना न करना पड़े। कलेक्टर ने कहा की पुराने ताप्ती मंदिर तक पहुंचने वाले मार्ग पर एक भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण कराया जाएगा। जिससे तीर्थ क्षेत्र की पहचान और आकर्षण बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में धार्मिक महत्व के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने ताप्ती क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

सूर्य पुत्री मां ताप्ती तीर्थ क्षेत्र न्यास की हुई बैठक

मुलताई। सूर्य पुत्री मां ताप्ती की उदगम स्थली सहित आसपास के ग्रामो में आषा? मास की शुक्ल सप्तमी पर मां ताप्ती जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस वर्ष 20 जुलाई को मां ताप्ती जन्मोत्सव मनाया जाएगा।इस अवसर पर सूर्य पुत्री मां ताप्ती तीर्थ क्षेत्र न्यास प्रति वर्षानुसार सौ से अधिक ग्रामो में सप्त-दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएगे। न्यास के सदस्य डॉ राजेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजन को लेकर मंगलवार को बैठक आयोजित की गई।जिसमे निर्णय लिया गया कि श्री क्षेत्र में प्रचार प्रसार के लिए रथ यात्रा 125ग्रामों में निकाली

जाएगी। रथ यात्रा 10 जुलाई को थाना साईखेड़ा क्षेत्र से निकलेगी, जिसका 13 जुलाई तक जोलखेड़ा में समापन होगा।14 जुलाई एक सैकड़ा ग्रामो के मंदिर में मां ताप्ती जल कलश पुजन स्थापना 15 जुलाई को सभी ग्रामो में स्वच्छता कार्यक्रम,16 जुलाई को नगर सहित ग्रामो में गौ पूजन एवं गौ रक्षक का संकल्प एवं संगोष्ठी, 17 जुलाई को ग्रामीण के ताप्ती उपवन में पौधारोपण,18 जुलाई को खिचड़ी संग्रह और समरसता यज्ञ, 19 जुलाई को ताप्ती तट पर मां ताप्ती बनो प्रतियोगिता एवं पूर्व संध्या पर महा आरती होगी।

सेफ क्लिक अभियान के समापन पर प्रतियोगिता आयोजित

सारनी। सेफ क्लिक अभियान के समापन पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सारनी में साइबर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साइबर के सवालों पर क्विक जवाब देने वाली छात्राओं को उपहार दिये गए। बुधवार को सेफ क्लिक अभियान का समापन कन्या शाला में किया गया। कार्यक्रम में स्कूली छात्राओं को डिजिटल सुरक्षा, ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया दुरुपयोग तथा साइबर अपराधों से बचाव के बारे मे सवाल पूछे गये। सही जवाब देने वाली छात्राओं को उपहार दिये गये। थाना प्रभारी जयपाल इनवाती ने कहा कि आज के डिजिटल दौर में जागरूकता ही सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। छोटी सी लापरवाही आर्थिक नुकसान और मानसिक परेशानी का कारण बन सकती है, इसलिए किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या मैसेज पर तुरंत सतर्क रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि छात्राओं को साइबर क्राइम से बचने के लिए एवं शिकायत प्रक्रिया की समझाईश दी गई।कार्यक्रम के दौरान एसआई प्रीति पालेवाल आरक्षक मोहित भाटी, महिला आरक्षक लक्ष्मी, महिला आरक्षक वर्षा सहित विद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा। छात्राओं को साइबर सुरक्षा संबंधी शपथ दिलाई गई।

बदहाल सड़कों से लोगों का जीना मुश्किल

चिचोली। नगर परिषद चिचोली क्षेत्र में जर्जर सड़कों, बीच सड़क पर बने गहरे गड्ढों और बरसात के दौरान कीचड़ व जलभराव की समस्या ने आम नागरिकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कई वार्डों में हालात ऐसे हैं कि पैदल चलना भी चुनौतीपूर्ण हो गया है, जबकि दोपहिया वाहन चालकों को हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है। नगर के लक्ष्मीबाई वार्ड, महाराणा प्रताप वार्ड, तिलक वार्ड, टैगोर वार्ड एवं शास्त्री वार्ड ,वार्ड क्रमांक 11 की कई सड़कें लंबे समय से बदहाल स्थिति में हैं। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार नगर परिषद और जनप्रतिनिधियों से सड़क

मरम्मत की मांग की, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इससे संबंधित वार्ड पार्षदों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। वार्ड क्रमांक 3 और 4 में जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से बरसात के दिनों में सड़कें तालाब का रूप ले लेती हैं। जलभराव के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तथा दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी हुई है। वहीं वार्ड क्रमांक 10 में सड़क के बीचों-बीच बना बड़ा गड्ढा लोगों के लिए गंभीर खतरा बन गया है। नागरिकों ने इसे तत्काल भरने और सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है।

बगडोना में बिना स्वीकृतियों के चल रहे निर्माण कार्य

पाथाखेड़ा। बगडोना क्षेत्र में इन दिनों बड़े पैमाने पर मकानों, दुकानों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के निर्माण कार्य तेजी से जारी हैं। क्षेत्र में चल रहे इन निर्माण कार्यों को लेकर स्थानीय स्तर पर कई प्रकार की चर्चाएं और सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि अनेक निर्माण कार्य बिना आवश्यक स्वीकृतियों एवं निर्धारित दस्तावेजों के ही संचालित किए जा रहे हैं, जबकि संबंधित विभाग इस ओर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखा रहा है। सूत्रों से जानकारी मिली है कि नगर पालिका क्षेत्र में भवन निर्माण के लिए निर्धारित मानकों, नक्शा स्वीकृति, भवन अनुमति तथा अन्य आवश्यक औपचारिकताओं का पालन किया जाना अनिवार्य है, इसके बावजूद कई स्थानों पर निर्माण कार्य बिना वैधानिक प्रक्रियाओं के आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। निर्माण कार्यों में उपयोग की जा रही रेत, गिट्टी एवं अन्य निर्माण सामग्री के संबंध में भी रॉयल्टी एवं वैध दस्तावेजों को लेकर प्रश्न उठ रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई पाई जाती है तो इससे शासन को राजस्व हानि होने के साथ-साथ निर्माण संबंधी नियमों की प्रभावशीलता पर भी प्रश्नचिह्न लग सकते हैं। चर्चा है कि संबंधित अधिकारियों की अनदेखी अथवा कथित मिलीभगत के कारण नियमों की अवहेलना करने वालों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं।

शिवा पवार का कलेक्टर ने किया सम्मान

बैतूल। देश की प्रतिष्ठित सेल हॉकी अकादमी, राउरकेला (ओडिशा) में चयनित बैतूल के होनहार हॉकी खिलाड़ी शिवा पवार का कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने सम्मान किया।

इस दौरान उन्होंने शिवा की उपलब्धि की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और आश्वस्त किया कि जिले की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। शमशेर सिंह भोसले नगर (पारधी ढाना), सोनाघाटी निवासी शिवा पवार ने सीमित संसाधनों और कठिन

परिस्थितियों के बावजूद अपनी मेहनत, अनुशासन और खेल प्रतिभा के दम पर राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित सेल हॉकी अकादमी में स्थान बनाया है। उनकी इस उपलब्धि को जिले के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने कहा कि शिवा जैसे खिलाड़ी अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिवा भविष्य में मध्यप्रदेश और देश का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे। इस अवसर पर स्वस्ति लोकसेवा समिति ने भी शिवा पवार का सम्मान किया।

अनदेखी : परमिट एक बस का, सड़क पर दौड़ रही दूसरी बस!

बैतूल। जिले में बस संचालन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि कई बड़े बस ऑपरेटर, जिनके पास 10 से 20 या उससे अधिक बसें हैं, नियमों को दरकिनार कर एक बस के नाम पर जारी परमिट से दूसरी बसों का संचालन कर रहे हैं। इससे न केवल परिवहन नियमों की खुलेआम अनदेखी हो रही है, बल्कि ईमानदारी से व्यवसाय करने वाले छोटे बस संचालकों के साथ भी अन्याय हो रहा है। जानकारी के अनुसार, बड़े बस संचालक अपनी सुविधा के अनुसार एक ही रूट पर सप्ताह में कई बार बसें बदल देते हैं। जिस बस के लिए परमिट स्वीकृत

होता है, उसकी जगह दूसरी बस भेज दी जाती है। सवाल यह है कि यदि ऐसा लगातार हो रहा है तो परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ती? छोटे बस संचालकों का आरोप है कि विभागीय कार्रवाई केवल एक-दो बसों वाले ऑपरेटरों तक सीमित रहती है, जबकि बड़े बस मालिकों पर कार्रवाई के नाम पर चुप्पी साध ली जाती है। इससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या जिले में नियम केवल छोटे संचालकों के लिए ही हैं? यदि किसी वाहन का परमिट किसी अन्य वाहन पर उपयोग किया जा रहा है, तो यह गंभीर अनियमितता है और इसकी निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है। जिला परिवहन अधिकारी और यातायात विभाग को सभी बसों के परमिट, वाहन नंबर और वास्तविक संचालन का विशेष अभियान चलाकर सत्यापन करना चाहिए। यदि अनियमितता पाई जाती है, तो नियमानुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

इनका कहना है

ऐसा कोई मामला संज्ञान मे आता है तो निश्चित ही व्हीकल अधिनियम के तहत कार्यवाही की जायेगी।

गजेंद्र केन, यातायात प्रभारी
बैतूल

परेशानी लोहिया वार्ड, ओझा ढाना की बदहाली पर कब जागेगा प्रशासन

92 प्रतिशत अंक लाने वाले बच्चों की राह में कीचड़ का पहाड़

बैतूल। शहर का लोहिया वार्ड ओझा ढाना क्षेत्र आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। बरसात ने यहां की बदहाल सड़कों, और गंदगी की ऐसी तस्वीर सामने ला दी है, जिसे देखकर विकास के सभी दावे खोखले नजर आते हैं।

वार्ड के सदस्य मनोहर धुर्वे और करण धुर्वे ने इस गंभीर समस्या को उठाते हुए शासन-प्रशासन से तत्काल स्थायी समाधान की मांग की है। इस क्षेत्र में गंदगी के ढेर लगे हुए हैं और आवागमन बेहद कठिन हो गया है। सबसे अधिक परेशानी उन स्कूली विद्यार्थियों को उठानी पड़ रही है, जिन्हें रोज इसी रास्ते से होकर स्कूल जाना पड़ता है। छोटे-छोटे

बच्चे स्कूल ड्रेस पहनकर कीचड़ और पानी से भरे रास्ते से जाने के लिए मजबूर हैं। कई स्थानों पर सड़क पूरी तरह गंदे पानी में डूबी हुई है, जबकि रास्ते के किनारे कचरे के ढेर लगे हैं। ऐसे हालात दुर्घटना का खतरा बढ़ा रहे हैं, संक्रामक बीमारियों की आशंका भी पैदा कर रहे हैं। विडंबना यह है कि इसी वार्ड के विद्यार्थियों ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद शिक्षा को अपना भविष्य मानते हुए वर्ष 2026 की एमपी बोर्ड परीक्षा में 100 प्रतिशत में से 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया। इन मेधावी विद्यार्थियों की मेहनत और सफलता इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती, लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसे बच्चों को सुरक्षित और सम्मानजनक रास्ता उपलब्ध कराना जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है? स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से सड़क, नाली और बिजली जैसी मूलभूत समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। बरसात के मौसम में हालात और भी भयावह हो जाते हैं।

कई बार शिकायतें करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। इससे वार्डवासियों में गहरा आक्रोश है। वार्ड के लोगों ने मांग की है कि ओझा ढाना की सड़क, नाली और बिजली जैसी मूलभूत समस्याओं का तत्काल निराकरण कराया जाए। उनका कहना है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वार्डवासियों को मजबूर होकर जनआंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा।

लोहिया वार्ड, ओझा ढाना की यह तस्वीर एक वार्ड की बदहाली नहीं, उन विकास दावों पर भी बड़ा सवाल है जिनमें हर घर तक सुविधाएं पहुंचाने की बात कही जाती है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इन इसको केवल बरसाती समस्या मानकर नजरअंदाज करता है या फिर मेधावी बच्चों और वार्डवासियों की पीड़ा को समझते हुए तत्काल कार्रवाई कर उन्हें इस बदहाली से राहत दिलाता है।

पोस्ट ऑफिस की कार्यप्रणाली से कराया अवगत

बैतूल। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के मेरा युवा भारत के द्वारा बुधवार भारतीय डाकघर, शाखा बैतूल में अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को डाकघर की विभिन्न गतिविधियों और सेवाओं से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ना था। इस अवसर पर प्रभारी पोस्ट मास्टर डॉ. हेमराज धोटे ने पांच स्वयंसेवकों को पोस्ट ऑफिस की दैनिक कार्यप्रणाली का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में बचत योजनाएं, आरडी, पीपीएफ, सुकन्या समृद्धि योजना, इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक, आधार-लिंक, डाक बीमा, पार्सल एवं स्पीड पोस्ट सेवाओं के साथ डिजिटल भुगतान और ग्रामीण

डाक जीवन बीमा की जानकारी विस्तार से दी गई। डॉ. धोटे ने बताया कि आज डाकघर केवल पत्र-व्यवहार का केंद्र ही नहीं, बल्कि वित्तीय और सरकारी योजनाओं का प्रमुख माध्यम बन चुका है। प्रशिक्षण में आकांक्षा पांडे और अविनाश घोटे ने समन्वय किया। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी श्रीमती सुषमा गवली विशेष रूप से उपस्थित रहीं। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले स्वयंसेवकों में गौरी इवने, निकिता उईके, नम्रता परते, आरती इवने संजना धुर्वे, रोशनी, आर्य, शिवसागर सिसोदिया और अंकित गावड़े शामिल थे। कार्यक्रम का प्रमुख संचालन धनंजय सिंह ठाकुर ने किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के अनुभूति कार्यक्रमों से युवा सरकारी तंत्र को समझ कर समाज को जागरूक करना है।